एयरोसिटी : पांच लाख आबादी की तकदीर, 30 गांवों की बदलेगी तस्वीर

गेहरू और पिपरसंड रोड के पास वन विभाग की जमीन पर एयरोसिटी को विकसित करने की उम्मीद

नरेश शर्मा/ राजन पांडेय

अमर उजाला पड़ताल

1500

एकड़ में एयरोसिटी को बसाने की है योजना

लखनऊ। कानपुर रोड स्थित गेहरू-पिपरसंड रोड के पास वन विभाग की जमीन पर एयरोसिटी के विकसित होने की उम्मीद है। वन विभाग का गेहरू-पिपरसंड रोड के दोनों तरफ कई हजार एकड़ का बबूल का जंगल है। ऐसे में सरकार एयरोसिटी के लिए 1500 नहीं, बल्कि 2500 एकड़ जमीन बहुत आसानी से मुहैया करा सकती है। यहां एयरोसिटी बसने से पांच लाख आबादी की तकदीर और 10 किमी के दायरे में आने वाले 30 से ज्यादा गांवों की तस्वीर बदल जाएगी।

इस जंगल से अमौसी एयरपोर्ट बमुश्किल पांच किमी दूर है। यहीं नहीं, स्कूटर इंडिया की जमीन पर अशोक ली-लैंड की उत्पादन इकाई को उतारने की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। ब्रह्मोस मिसाइल बनाने की इकाई का निर्माण चल रहा है। पास ही आउटर रिंग रोड, किसान पथ और अमौसी-नादरगंज व सरोजीनगर औद्योगिक क्षेत्र है। ऐसे में एरोसिटी के लिए आवागमन के कई विकल्प हैं। हालांकि, गेहरू-पिपरसंड रोड का बड़ा हिस्सा नगर निगम की सीमा में है।

गेहरू और पिपरसंड रोड के दोनों तरफ स्थित इसी जंगल की जमीन पर विकसित की जा सकती है एयरोसिटी। -संवाद

एयरोसिटी से इनका कायाकल्प होगा

- भवन निर्माण सामग्री का बढ़ेगा कारोबार। कारीगरों, कामगारों को मिलेगा काम।
- गांव किनारे बनेंगी चौड़ी सड़कें। लग्जरी कारें आराम से गुजर सकेंगी।
- सात सितारा होटल, लग्जरी रेस्टारेंट बनने से लोग पाएंगे काम करने का मौका।
- ऐतिहासिक स्थल देखने वाले शौकीनों से चमकेगा ट्रैवल कारोबार, आय के स्रोत बढ़ेंगे।

- **इन गांवों से गुजरेगा एयरोसिटी का विकास :** गौरी बाजार के सराफा व्यापारी नेता सुंदर ने बताया कि एयरोसिटी में होटल, रेस्टारेंट, मार्ट, मनोरंजन क्लब आदि व्यावसायिक केंद्र विकसित होंगे। उधर, दरोगाखेड़ा, रनियापुर, पिनवट, अमौसी, लोनहा, रूपखेड़ा, अधपुर, गेहरू, नटकुर, गौरी, बिजनौर, रहीमाबाद, पिपरसंड, दुल्लीखेड़ा, हडईनखेड़ा, नरायनपुर, ऐन आदि गांवों व नवविकसित कॉलोनियों की आबादी, क्षेत्र के दिन बदल जाएंगे। इसका कारण यह है कि एयरोसिटी का विकास इन्हीं गांवों से होकर गुजरेगा।
- **निवेशकों को कम खर्च पर मिल सकेगी जमीन :** कांग्रेस नेता एवं गेहरू निवासी रुद्रदमन सिंह बबलू ने बताया कि गेहरू-पिपरसंड रोड के वन विभाग की जमीन पर एयरोसिटी उतरी तो निवेशकों को कम खर्च पर जमीन मिल सकेगी। इससे उद्यमी व कारोबारी यहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करने में दिलचस्पी लेंगे। इस क्षेत्र में एयरोसिटी विकसित होने से किसानों की भी कम से कम जमीन इसमें जाएगी।

छोटी औद्योगिक इकाइयां लगने से मिलेगा रोजगार

- लघु उद्योग भारती औद्योगिक संगठन की लखनऊ इकाई के उपाध्यक्ष रितेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलडीए आउटर रिंग रोड (किसान पथ) के किनारे नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने वालों को पहले जमीन मुहैया कराएगा। गेहरू-पिपरसंड रोड के जंगल वाली जमीन पर एयरोसिटी विकसित की गई तो नया औद्योगिक क्षेत्र भी पिपरसंड के आसपास ही बनेगा। इस जगह पर चौतरफा आवागमन सुगम होने से छोटी औद्योगिक इकाइयां लगने से आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार मिलेगा।

महंगी हो सकती है जमीन

- प्रॉपर्टी डीलर अजीत सिंह ने बताया कि अमौसी क्षेत्र में एयरोसिटी विकसित किए जाने की घोषणा से प्रॉपर्टी डीलरों और प्लॉट खरीदारों में हड़कंप मच गया है। इससे जमीन एक करोड़ रुपये प्रति बीघा तक महंगी हो जाएगी। गेहरू के आसपास एक से डेढ़ करोड़ रुपये प्रति बीघा प्लॉटिंग वाली जमीन बिक रही थी, जिसकी कीमत दो से ढाई करोड़ रुपये प्रति बीघा हो जाएगी। वर्तमान में प्लॉट का रेट 750 से 2500 रुपये प्रतिवर्ग फीट है, जो दोगुने से ज्यादा हो जाएगा।